

**THINK IAS**

**JOIN SAMYAK**

# **Samyak**

An Institute For Civil Services

## **DAILY CURRENT नामा**

**8, 9 सितम्बर 2024**



**9875170111**

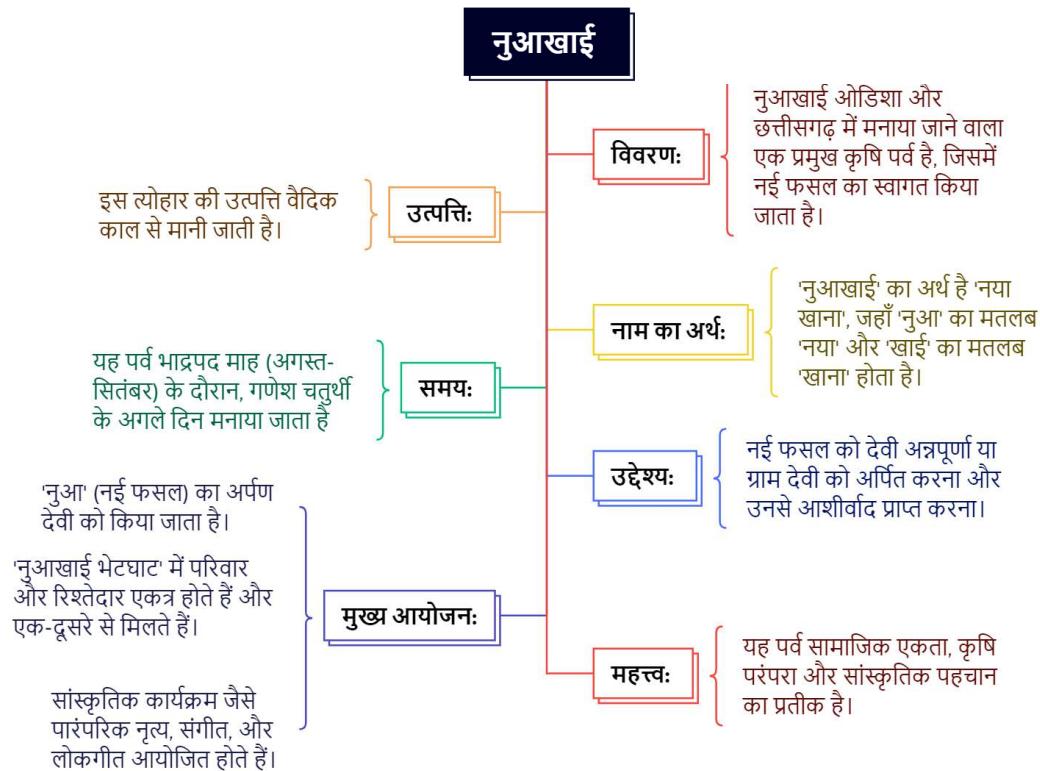
**SAMYAK IAS, NEAR RIDDHI-SIDDHI, JAIPUR**

## Art and Culture

### 1. नुआखाई

#### सुर्खियों में क्यों? »

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कृषि पर्व नुआखाई के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

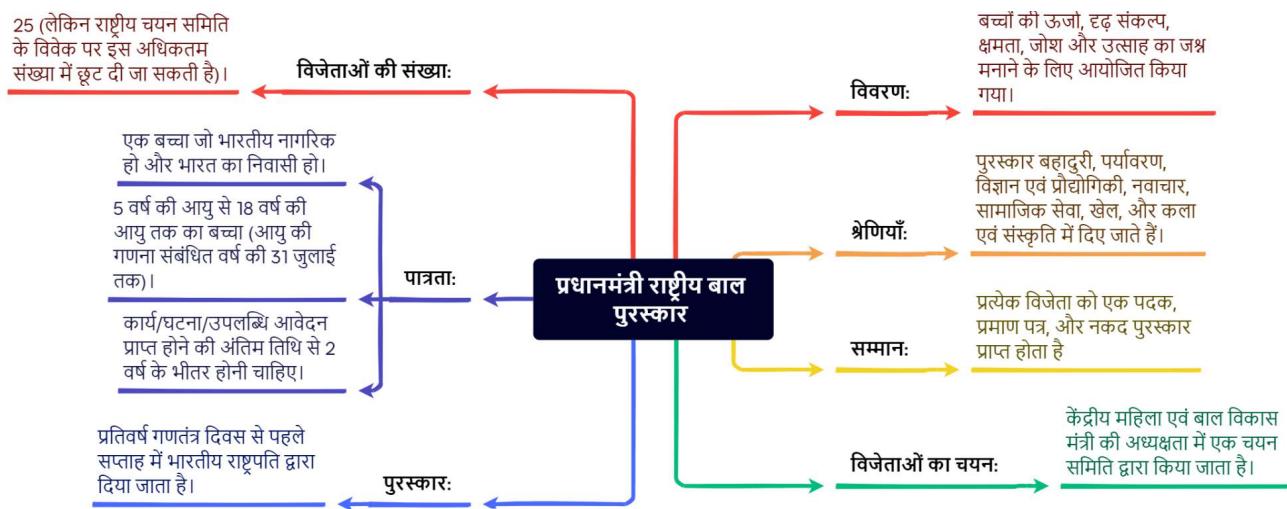


## समाज

### 2. प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

#### सुर्खियों में क्यों? »

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, बच्चों को बहादुरी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, नवाचार, सामाजिक सेवा, खेल, और कला एवं संस्कृति में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए हृत वर्ष प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रदान करता है।

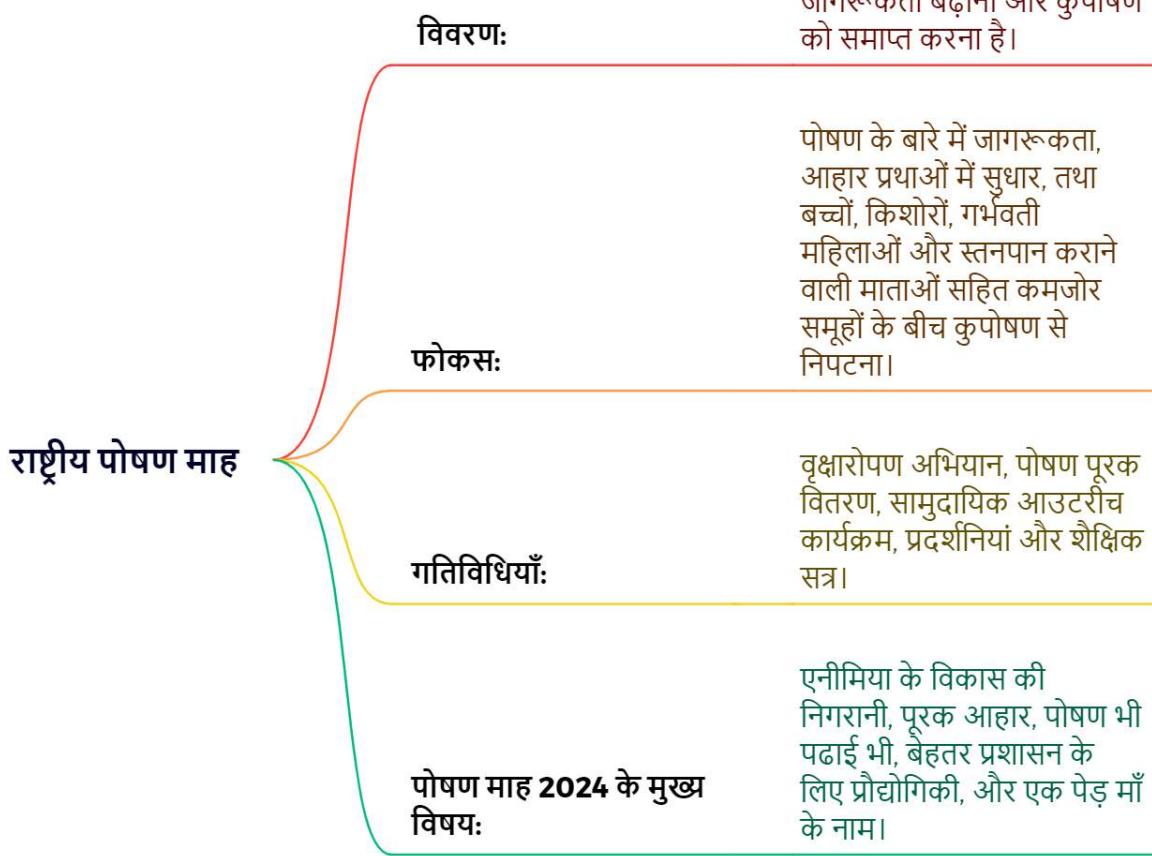


### 3. पूरक आहार के माध्यम से बच्चों का स्वास्थ्यकर विकास सुनिश्चित करना - पोषण माह 2024 का महत्वपूर्ण विषय

#### सुर्खियों में क्यों? »

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय इस वर्ष 7वां राष्ट्रीय पोषण माह मना रहा है, जो एक महीने तक चलने वाला कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर पोषण परिणामों में सुधार करना और व्यवहार में बदलाव को प्रोत्साहित करना है। इस वर्ष पोषण माह की थीम 'पूरक आहार, शिथुर पोषण का महत्वपूर्ण पहलू' है।

पोषण अभियान के अंतर्गत हर साल सितंबर में मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाना और कुपोषण को समाप्त करना है।



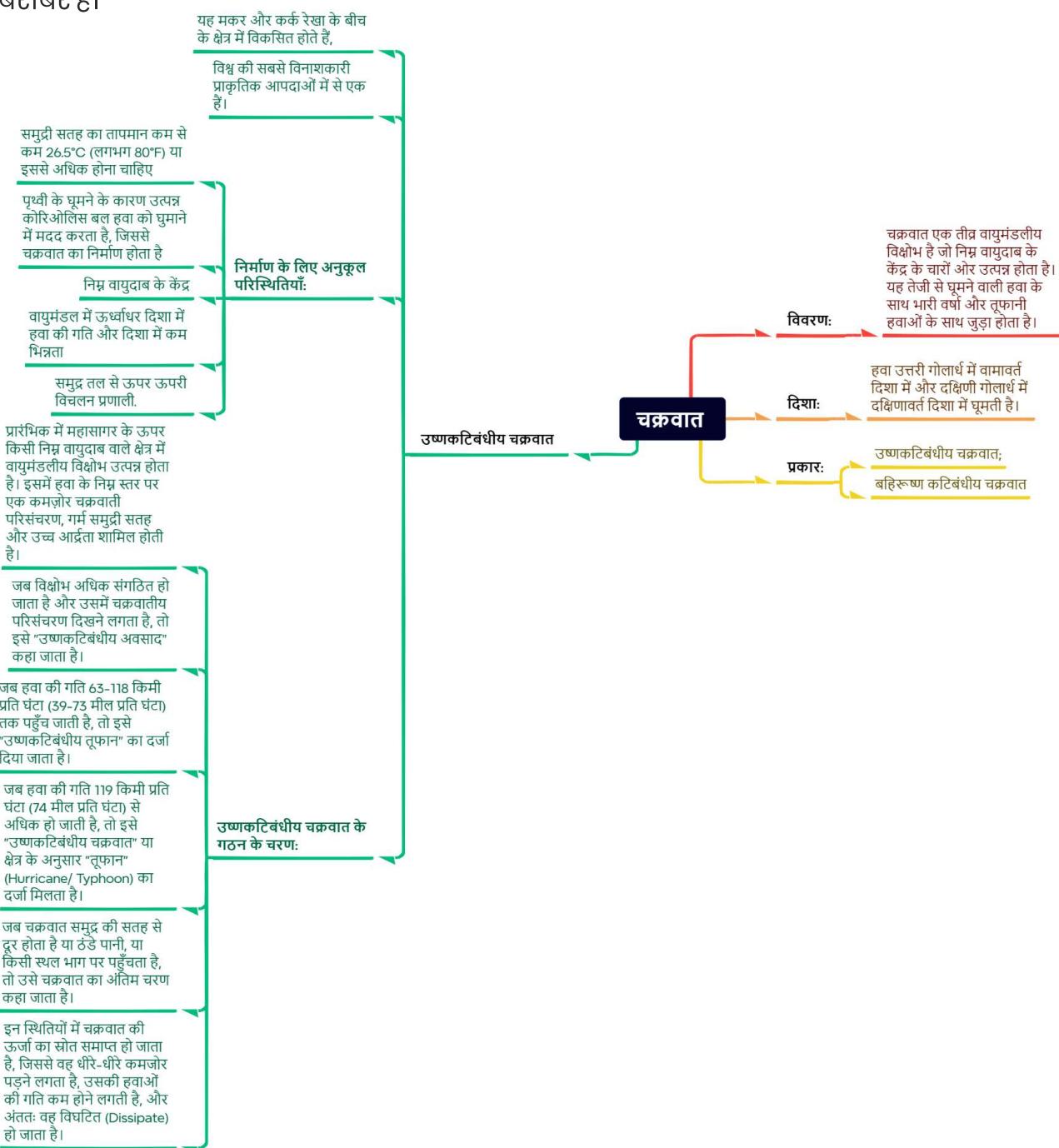
## मूल

### 4. शक्तिशाली चक्रवात, 'यागी'

#### सुर्खियों में क्यों? »

- इस साल का सबसे शक्तिशाली चक्रवात 'यागी' दक्षिण चीन के द्वीप प्रांत हैनान में तबाही मचाने के बाद उत्तरी वियतनाम में पहुंच गया।
- चक्रवात यागी शुरू में उत्तर-पश्चिमी फिलीपींस में एक उष्णकटिबंधीय चक्रवात के रूप में बना, फिर दक्षिण चीन सागर में आगे बढ़ने के साथ यह ताकतवर हो चला गया।

- यांगी चीन में अब तक दर्ज किया गया सबसे शक्तिशाली शरद क्रृतु चक्रवात है, और 2024 में वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे शक्तिशाली चक्रवात होगा। इसे 'सुपर टाइफून' के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जो श्रेणी 5 चक्रवात के बराबर है।



## Polity

### 5. केंद्र ने चिंता जताए जाने के बाद सांख्यिकीय सर्वेक्षणों पर पैनल को भंग कर दिया

#### सुखियों में क्यों? »

- केंद्र सरकार ने हाल ही में सांख्यिकीय सर्वेक्षणों की देखरेख के लिए स्थापित 14 सदस्यीय पैनल, सांख्यिकीय स्थायी समिति को भंग कर दिया। आर्थिक जनगणना और दशकीय जनसंख्या जनगणना के संचालन में देशी पर सदस्यों द्वारा उठाई गई चिंताओं के बाद यह विघटन किया गया है।

- भारत की अंतिम जनगणना 2011 में की गई थी, तथा 2021 में होने वाली अगली जनगणना अनिश्चित काल के लिए विलंबित कर दी गई है। इससे अद्यतन जनगणना आंकड़ों के अभाव में घटेलू सर्वेक्षणों की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे हैं।

## सांख्यिकी पर स्थायी समिति

- आर्थिक सांख्यिकी पर स्थायी समिति का गठन पहली बार दिसंबर 2019 में किया गया था। **13 जुलाई, 2023** को इसका नाम बदलकर और इसका विस्तार करके 'सांख्यिकी पर स्थायी समिति' का गठन किया गया।

### उद्देश्य:

- मौजूदा ढांचे की समीक्षा करना और सर्वेक्षण पद्धतियों, डिजाइन, सर्वेक्षण उपकरणों और परिणामों से संबंधित मुद्दों का समाधान करना।
- डेटा संग्रह कार्यक्रम को अंतिम रूप देने से पहले पायलट सर्वेक्षण और पूर्व-परीक्षण के संचालन पर मार्गदर्शन प्रदान करना।
- डेटा अंतराल की पहचान करना और सांख्यिकीय प्रणाली में सुधार के लिए रणनीति सुझाना।

देश में सांख्यिकीय प्रणाली के योजनाबद्ध विकास के लिए एक नोडल एजेंसी

भारत सरकार के मंत्रालयों/विभागों और राज्य सांख्यिकीय व्यूरो (एसएसबी) के संबंध में सांख्यिकीय कार्य का समन्वय करना।

राष्ट्रीय लेखा तैयार करता है

अंतर्राष्ट्रीय सांख्यिकीय संगठनों जैसे कि संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकीय प्रभाग (यूएनएसडी), एशिया तथा प्रशान्त के लिए आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (एस्केप), एशिया तथा प्रशान्त के लिए सांख्यिकीय संस्थान (सियाप), अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएएफ), एशियाई विकास बैंक (एडीबी), खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ), अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) आदि से सम्पर्क बनाए रखता है।

"वरित अनुमानों" के रूप में प्रत्येक माह औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) को सकलित तथा जारी करता है;

वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण (एसआई) का आयोजन करता है;

अखिल भारतीय आर्थिक गणनाओं का आवधिक आयोजन तथा अनुवर्ती उद्यम सर्वेक्षणों पर कार्रवाई करता है।

अखिल भारतीय आर्थिक गणना, नमूना सर्वेक्षण, और सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षणों का आयोजन और अंकड़ा प्रसंस्करण।

गैर-सरकारी संगठनों और अनुसंधान संस्थानों के लिए अनुदान और सांख्यिकीय सम्पेलनों का वित्त पोषण।

### भारत की सांख्यिकीय प्रणाली

सांख्यिकी विभाग और कार्यक्रम कार्यान्वयन विभाग के विलय के पश्चात 1999 में सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय एक स्वतंत्र मंत्रालय के रूप में अस्तित्व में आया।

मंत्रालय में दो स्कृध हैं, एक सांख्यिकी से संबंधित है तथा दूसरा कार्यक्रम कार्यान्वयन से।

एनएसओ नामक सांख्यिकी विभाग में केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय (सीएसओ), कंप्यूटर केंद्र और राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) शामिल हैं।

सांख्यिकी स्कृध, जिसे राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय कहा जाता है, में केन्द्रीय सांख्यिकीय कार्यालय, संगणक केंद्र, राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय हैं।

## 6. शत्रु- सम्पत्ति अधिनियम

### सुर्खियों में क्यों? »

उत्तर प्रदेश में जमीन का एक हिस्सा, जो पहले पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ के परिवार का था, शत्रु संपत्ति अधिनियम के तहत नीलाम होने वाला है।

**शत्रु विषय:** इसमें शत्रु का कानूनी उत्तराधिकारी शामिल है, चाहे वह भारत का नागरिक हो या किसी ऐसे देश का नागरिक हो जो शत्रु नहीं है।

**शत्रु फर्म:** शत्रु फर्म की उत्तराधिकारी फर्म, चाहे उसके सदस्यों या भागीदारों की राशीयता कुछ भी हो।

**विवरण:** इसने 1968 अधिनियम और सार्वजनिक परिसर (अनधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 में संशोधन किया, जिससे निम्नलिखित शब्दों की परिभाषा का विस्तार हुआ:

**अन्य प्रावधान:** इसमें यह प्रावधान किया गया है कि शत्रु संपत्ति संरक्षक के पास बड़ी रहेगी, भले ही शत्रु या शत्रु विषय या शत्रु फर्म मृत्यु, विलुप्ति, व्यवसाय के समाप्त या राशीयता में परिवर्तन के कारण शत्रु ना रहे, या कानूनी उत्तराधिकारी भारत का नागरिक हो या किसी ऐसे देश का नागरिक हो जो शत्रु नहीं है।

शत्रु संपत्ति (संशोधन और मान्यता) विधेयक, 2016

शत्रु संपत्ति

शत्रु संपत्ति अधिनियम, 1968

इसके बारे में: यह पाकिस्तानी नागरिकों के पास भारत में अचल संपत्ति के आवंटन की अनुमति देता है और उसे नियंत्रित करता है।

अधिनियम: 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद अधिनियमित किया गया।

स्वामित्व: भारत के लिए शत्रु संपत्ति का संरक्षक, एक सरकारी विभाग, स्वामित्व प्राप्त करता है।

शत्रु संपत्ति अधिनियम 1968 के अनुसार शत्रु की परिभाषा: एक देश (और उसके नागरिक) जिसने भारत (यानी पाकिस्तान और चीन) के खिलाफ आक्रमण किया।

शत्रु संपत्ति: "शत्रु-सम्पत्ति" से ऐसी सम्पत्ति अभिप्रैत है जो तत्समय शत्रु, शत्रु-प्रजा या शत्रु-फर्म की है या उसकी ओर से धारित या प्रबन्धित है; परन्तु जहाँ कि किसी व्यष्टि शत्रु-प्रजा की ऐसे राज्यक्षेत्र में मृत्यु हो जाती है, जिस पर इस अधिनियम का विस्तार है, या भारत के बाहर किसी भी राज्यक्षेत्र में मृत्यु हो जाती है। वहाँ कोई सम्पत्ति जो ऐसी मृत्यु के अव्यवहित पूर्व उसकी थी या उसके द्वारा धारित थी या उसकी ओर से प्रबन्धित थी, उसकी मृत्यु हो जाने पर भी इस अधिनियम के प्रयोजनों के लिए शत्रु-सम्पत्ति मानी जाती रहेगी।

शत्रु संपत्तियों की अधिकतम संख्या: उत्तर प्रदेश - 4,991, बंगाल में 2,735 और दिल्ली में 487.

## 7. अच्छे डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे से हमारा क्या तात्पर्य है

### सुर्खियों में क्यों? »

- हाल ही में, "अच्छे डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (DPI)" की अवधारणा को प्रमुखता मिली है, क्योंकि निजी उद्यमों, सरकारी निकायों, गैर-लाभकारी संगठनों और थिंक टैंकों सहित विभिन्न हितधारक अपने DPI समाधानों को बनाने और बढ़ावा देने का प्रयास कर रहे हैं।

- सिटीजन स्टैक को DPI समाधानों की अखंडता और विश्वसनीयता का मूल्यांकन करने, "अच्छे DPI" लिए मानक और सिद्धांत निर्धारित करने हेतु एक मॉडल के रूप में उजागर किया गया है।

नागरिक के अन्य हितधारकों से संतुलित संबंध बनाए रखना:  
नागरिकों, बाजार और राज्य के बीच संतुलित संबंध सुनिश्चित करना।

नागरिक सशक्तीकरण और गोपनीयता की रक्षा करना:  
सहमति-आधारित डेटा साझाकरण लागू करना।

एकाधिकार को रोकना: अंतर-संचालन सुनिश्चित करना और एकाधिकार को रोकना।

तकनीकी-कानूनी विनियमन: नैतिक तकनीक के उपयोग के लिए कानूनी ढाँचों के साथ प्रौद्योगिकी को मिलाना।

सार्वजनिक-निजी नवाचार: कॉर्पोरेट हितों के प्रभुत्व को रोकते हुए नवाचार को बढ़ावा देना।

इंडिया स्टैक से प्रेरित, यह एक ऐसा इकोसिस्टम है जो DPI के लिए एक विनियामक निकाय या ऑडिटर के रूप में कार्य करता है।

यह सुनिश्चित करता है कि DPI समाधान कड़े गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों को पूरा करते हैं।

अच्छे DPI के पाँच सिद्धांत (सिटीजन स्टैक द्वारा):

### डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (DPI)

**विवरण:** DPI ऐसे लैटफॉर्म हैं जो डिजिटल तकनीक का उपयोग करके सार्वजनिक सेवाएँ प्रदान करते हैं।

**महत्व:** वे सरकारी सेवाओं को सक्षम बनाने, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

**परिभाषा:** ओपन एप्लीकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफ़ेस (API) और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का एक सेट।

**उद्देश्य:** सार्वजनिक डिजिटल सेवाओं का एक व्यापक समूह प्रदान करना। इसे भारत में पहचान सत्यापन, डिजिटल भुगतान और सुरक्षित डेटा साझाकरण को सक्षम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। साथ ही, इसे देश में डिजिटल लेनदेन को सुविधाजनक बनाने, वित्तीय समावेशन को बढ़ाने और डिजिटल शासन का समर्थन करने के लिए बनाया गया था।

**विवरण:** यह सफल DPI का एक उल्लेखनीय उदाहरण है, जिसमें आधार (डिजिटल पहचान), UPI (एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस), और eKYC, डिजिटल हस्ताक्षर और डेटा गोपनीयता उपकरण जैसी अन्य परतें शामिल हैं। यह एक अरब से अधिक नागरिकों की विश्वसनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

**किसके द्वारा विकसित:** iSPIRT, एक भारतीय यिंक टैक।

## World Affairs

### 8. रियाद में भारत-खाड़ी सहयोग परिषद के विदेश मंत्रियों की पहली बैठक में भाग लेंगे विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर

#### सुनिश्चित्यों में क्यों? »

विदेश मंत्री एस जयशंकर रियाद में पहली भारत-खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेंगे। इस ऐतिहासिक बैठक का उद्देश्य भारत और खाड़ी देशों के बीच संबंधों को मजबूत करना है।

## खाड़ी सहयोग परिषद

- विवरण:** यह एक राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और क्षेत्रीय संगठन है, जिसकी स्थापना बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब तथा संयुक्त अरब अमीरात के बीच संपन्न एक समझौते के माध्यम से की गई थी।
- स्थापना:** मई 1981 में दियाद, सऊदी अरब में।
- उद्देश्य:** अपने सदस्यों के बीच उनके साझा उद्देश्यों और उनकी समान राजनीतिक और सांस्कृतिक पहचान के आधार पर एकता हासिल करना, जो अरब और इस्लामी सांस्कृतिकों में निहित हैं।
- अध्यक्षता:** सदस्य राज्यों के बीच प्रतिवर्ष बदलती रहती है।
- संटंचना:**



- सर्वोच्च परिषद:** संगठन का सर्वोच्च प्राधिकारी जो सदस्य-राज्यों के प्रमुखों से बना होता है। इसकी अध्यक्षता सदस्य राज्यों के बीच वर्णमाला क्रम में समय-समय पर बदलती रहती है।
- मंत्रिस्तरीय परिषद:** सभी सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों या उनके लिए प्रतिनियुक्त अन्य मंत्रियों से मिलकर बनी यह परिषद सर्वोच्च परिषद के नियमों को लागू करने के लिए हर तीन महीने में बैठक करती है।
- सचिवालय जनरल:** प्रशासनिक शाखा, जो नीति कायनिवयन की निगरानी करती है और बैठकों की व्यवस्था करती है।

## पर्यावरण

### 9. शोधकर्ताओं ने नागालैंड में करक्यूमा वंश की नई प्रजाति की खोज की

#### सुर्खियों में क्यों? »

शोधकर्ताओं ने नागालैंड में हल्दी की एक नई किरण की पहचान की है।

करक्यूमा अनगमेसिस

- जीनस:** करक्यूमा (अदरक परिवार)।
- प्रकार:** एक प्रकंदीय जड़ी बूटी।
- फूल कब खिलते हैं:** बरसात के मौसम में अगस्त से अक्टूबर तक।
- क्या खतरे हैं:** सङ्कट निमिण, भवन निमिण और प्राकृतिक आपदाएँ।
- वितरण:** दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया एवं दक्षिण चीन, उत्तरी ऑस्ट्रेलिया के कुछ भाग में और दक्षिण प्रशांत में पाए जाते हैं।

## विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

### 10. बुध के दक्षिणी ध्रुव की पहली स्पष्ट तस्वीरों का महत्व

#### सुर्खियों में क्यों? »

अंतरिक्ष यान, बेपीकोलंबो ने हाल ही में बुध के दक्षिणी ध्रुव की पहली स्पष्ट तस्वीर ली है। तस्वीर में ग्रह के कई गड्ढे भी कैद किए गए हैं, जिनमें बेसिन के किनारे के भीतर चोटियों के असामान्य छल्ले भी शामिल हैं।

बुध की सतह और संरचना की जांच करना ताकि हम इसके भौवैज्ञानिक इतिहास और निर्माण प्रक्रियाओं को बेहतर ढंग से समझ सकें।

बुध के चुंबकीय क्षेत्र का अध्ययन करके इसकी आंतरिक संरचना तथा सौर वायु के साथ इसकी अंतःक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त करना।

बुध के वायुमंडल को मापना तथा उसकी संरचना और गतिशीलता को समझना।

सामान्य सापेक्षता के कुछ सिद्धांतों का परीक्षण करने और गुरुत्वाकर्षण के बारे में हमारी समझ को बेहतर बनाने के लिए प्रयोगों का संचालन करना।

#### उद्देश्य:

## बेपीकोलंबो

#### विवरण:

बुध की सतह, संरचना, चुंबकीय क्षेत्र और सौर पर्यावरण के साथ इसकी अंतःक्रिया का अध्ययन करने के लिए यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) और जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (जेएक्सए) का संयुक्त मिशन।

#### नामकरण:

इसका नाम ग्रूप्सेप "बेपी" कोलंबो के नाम पर रखा गया है, जो एक इतालवी गणितज्ञ और इंजीनियर थे। उन्होंने बुध की कक्षा को समझने में महत्वपूर्ण योगदान दिया था।

#### प्रक्षेपण:

20 अक्टूबर, 2018

#### 2 घटक:

मर्करी प्लैनेटरी ऑर्बिटर (एमपीओ): बुध की सतह के मानचित्रण और अध्ययन के साथ-साथ इसकी संरचना और स्थलाकृति के लिए ईएसए द्वारा योगदान।

मर्करी मैग्नेटोस्फेरिक ऑर्बिटर (एमएमओ): बुध के चुंबकीय क्षेत्र और मैग्नेटोस्फेर का अध्ययन करने के लिए जेएक्सए द्वारा योगदान।

## 11. एमपोक्स के लक्षण वाले व्यक्ति को अलग रखा गया

### सुर्खियों में क्यों? »

हाल ही में भारत लौटे एक युवा मरीज में एमपॉक्स (जिसे पहले मंकीपॉक्स के नाम से जाना जाता था) का संदिग्ध मामला पाया गया है। वह ऐसे देश से लौटा है, जहां एमपॉक्स का संक्रमण सक्रिय है। मरीज को एक निर्दिष्ट अस्पताल में अलग रखा गया है और उसकी हालत स्थिर बताई गई है।

- यह एक वायरल जूनोटिक बीमारी है (जानवरों से मनुष्यों में संक्रमण)
- वायरस का प्राकृतिक होस्ट अभी भी अपरिभाषित है। लेकिन इस बीमारी के कई जानवरों में होने की सूचना मिली है।
- यह पहली बार 1970 में डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कंगो (DRC) के मनुष्यों में रिपोर्ट किया गया था।
- इससे पलू जैसे लक्षण और मवाद से भरी त्वचा के घाव हो सकते हैं।
- प्राथमिक संक्रमण संक्रमित जानवर के रक्त, शारीरिक तरल पदार्थ या त्वचा या म्यूकोडल घावों के सीधे संपर्क के माध्यम से होता है।
- मानव-से-मानव में संक्रमण निकट संपर्क के परिणाम स्वरूप हो सकता है।
- मंकीपॉक्स संक्रमण के लिए कोई विशिष्ट उपचार या टीका उपलब्ध नहीं है। अतीत में, एंटी-स्मॉलपॉक्स वैक्सीन को मंकीपॉक्स को रोकने में 85% प्रभावी दिखाया गया था।

